www.maharashtracrimes.in
Email : editor@maharashtracrimes.in
www.maharashtracrimes.blogspot.in
maharashtracrimes@gmail.com

RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष 20 | अंक 03 | मुंबई, 05 जनवरी 2021 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

सडको पर सिमकार्ड बेचने वाला शशिकांत सर्जेराव काकडे

कैसे बना राजनेता ?

राजनीति की आड़ में चला रहा है वेश्या व्यवसाय!

विशेष सवाददाता

नवी मुंबई : हर एक इन्सान अपने जीवन में तरक्की करना चाहता है, लेकिन हर इन्सान के नसीब में तरक्की कर पाना बहुत मुश्किल होता है, जिन्हें बड़ी आसानी से जीवन में कामयाबी मिल ती है, इन्सान जीवन भर मेहनत करके भी अपना एक आशियाना नहीं बना सकता, आज के समय में इन्सान अपने परिवार का सही तरह से पालन-पोषण करते-करते ही उसका जीवन समाप्त हो जाता है, लेकिन कुछ लोग ऐसे होते है जिन्हें बड़ी आसानी से कामयाबी मिल जाती है, इसके लिए उन्हें कमाने का तरीका थोडा बदलना पड़ता है, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपना रास्ता बदल देते हैं और कुछ लोग ऐसे होते हैं जो अपनी पूरी जिन्दगी अपने सिद्धांतों की खातिर अपना जीवन गुजार देते हैं।

स्थानिक सूत्रों के अनुसार नेरूल, नवी मुंबई स्थित शशिकांत सर्जेराव काकडे नामक व्यक्ति जो आज से लगभग ८ साल पहले एक आम आदमी की तरह था, वह अपने परिवार के जीविकोपार्जन हेतु नवी मुंबई, नेरूल में एक छोटी-मोटी नौकरी किया करता था, नौकरी के चलते उनके घर का गुजरा चलना बहुत मुश्किल था, फिर कुछ दोस्तों के सुझाव से शशिकांत सर्जेराव काकडे को मोबाईल का सिमकार्ड बेचने का काम शुरू किया। शशिकांत सर्जेराव काकडे ने इस काम को करने में कोई शर्म नहीं की। शशिकांत सर्जेराव काकडे कड़ी धूप में सडको पर खड़े रहकर मोबाईल के सिम कार्ड बेचा करता था, यहां तक कि शशिकांत सर्जेराव काकडे ने घर-घर गल्ली गल्ली जाकर भी सिम कार्ड बेचने में कोई शर्म महसूस नही की। सिम कार्ड बेचने का सिलसिला काफी समय तक चलता रहा। शशिकांत सर्जेराव काकडे काफी मेहनत करने के बाद भी उन्हें इस सिम कार्ड के धंधे में अपना भविष्य नही दिखा।

शशिकांत सर्जेराव काकडे
(मसाज पार्लर वालों की संस्था संस्थापक अध्यक्ष एवं कलमोरा स्पा और कर्मा

रोहिणी सोनवणे पाटील
(मसाज पार्लर वालों की संस्था की महासचिव एवं एलाइट स्पा की संचालिका)

उसे रोज चमचमाती चकाचौंध भरी दुनिया अपनी तरफ आकर्षित कर रही थी।जहाँ वो सिम कार्ड बेचता था वहां नवी मुंबई का क्विंस नेकलेस के नाम से पहचाने जाने वाले पाम बीच रोड पर खड़े रहकर वहां से गुजरती गाड़ियों में अक्सर अपने आपको देखा करता था। अपने सपनों को साकार करने के लिए शशिकांत सर्जेराव काकडे ने कुछ दोस्तों से सलाह मशवरा करके कम समय में, कम मेहनत में, कम लागत में ज्यादा मुनाफा देने वाला कारोबार चुना, जो था सफेद पोश की आड़ में चलने वाला 'वेश्या व्यवसाय' मतलब 'मसाज पार्लर' जिसे आज स्पा के नाम से जाना जाता है।

(पेज ८ पर....)

मुंबई के मालाड में हुआ मेट्रो दिनांक कैलेण्डर 2021 का विमोचन

मुंबई : नए वर्ष में नयी शुरूवात के साथ मेट्रो दिनांक समाचार पत्र के 13 वे वार्षिक कैलेंडर का विमोचन मालाड पूर्व के कुरार विलेज स्थित भाजपा कार्यालय में मुंबई मनपा गट नेता, नगरसेवक विनोद मिश्रा के करकमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मेट्रो दिनांक के प्रधान संपादक वरिष्ठ पत्रकार दीनानाथ तिवारी, मुद्रक-प्रकाशक मंजू तिवारी, भाजपा नेता भारती बेंडे, वरिष्ठ पत्रकार शिवशंकर तिवारी, पत्रकार जितेंद्र शर्मा, पत्रकार अरुण गुप्ता, पत्रकार विनोद श्रीवास्तव, पत्रकार प्रवीण राजगुरु, पत्रकार रितेश तिवारी, पत्रकार शिवप्रकाश सोनी, पत्रकार अनिल जैसवाल, पत्रकार रोहित जैसवाल, वरिष्ठ पत्रकार संतोष तिवारी, पत्रकार नीलेश पांडेय, पत्रकार पूजा पांडेय, पत्रकार सुरेश वाकड़े, पत्रकार राजेश यादव, संदीप देसाई,अनिल जयसवाल, महेंद्र चौधरी, सहित सामाजिक एवं मीडिया जगत के कई पत्रकार बंधु उपस्थित रहे ।

संपादकीय

धर्म परिवर्तन करा रहा पाकिस्तानी सेना का कर्नल

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक वर्ग के बुरे हाल का मुद्दा कई बार यूएन में उठ चुका है। अमेरिका भी कई बार पाकिस्तान को धार्मिक उन्माद फैलाने के लिए चेतावनी जारी कर चुका है। हालांकि, उस पर अब तक यह चेतावनियां बेअसर रही हैं। आलम यह है कि पाकिस्तानी सेना के अफसर अब दूसरे देशों में भी धर्मांतरण कराने में जुट गए हैं। ताजा मामला मध्य अफ्रीकी देश कॉन्गो का है। यहां पाकिस्तानी सेना का एक वरिष्ठ अफसर आधिकारिक ड्यूटी पर लगे संयुक्त राष्ट्र मिशन के कर्मचारियों को ही इस्लाम में परिवर्तित कराने का आरोपी बनाया गया है।

बता दें कि कॉन्गो में मुस्लिम अल्पसंख्यक हैं। बताया गया है कि पाकिस्तानी सेना का अफसर यहां यूएन मिशन में इसाई कर्मचारियों के पास पहुंचा और उन्हें इस्लाम अपनाने के लिए कहने लगा। इंटरनेशन बिजनेस टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जिस पाकिस्तानी अधिकारी पर यह आरोप लगे हैं, उसका नाम कर्नल साकिब मुश्ताकी है। बताया गया है कि वह कॉन्गो में छिड़े गृहयुद्ध के बीच भेजी गई सेना का डिप्टी कमांडर है। इसी बीच घटना की जानकारी मिलने के बाद यूएन जनरल हेडक्वार्टर्स ने आंतरिक जांच के आदेश दे दिए हैं। अभी यह साफ नहीं है कि पाकिस्तानी अफसर के खिलाफ क्या कार्यवाही की जा सकती है। बता दें कि कॉन्गो में 1999 में यूएन मिशन के आने के बाद से ही पाकिस्तान ने ईस्टर्न कॉन्गो में इस्लाम को बढ़ावा देने के लिए धर्म परिवर्तन को बढ़ावा दे रहा है। फ्रेंच अखबार ले सोयर के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना की टुकड़ी ने कीवू और इतुरी क्षेत्र में मस्जिदें बना ली हैं। यह पहली बार नहीं है, जब यूएन पीसकीपिंग मिशन में शामिल पाकिस्तानी सैनिकों पर इस तरहके आरोप लगे हों। इससे पहले 2012 में दो पाकिस्तानी सैनिकों पर हैती में 14 साल के एक बच्चे के यौन शोषण का आरोप लगा था। इससे पहले यूएन में पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम पर भी अपने पार्टनर के साथ हिंसा करने के आरोप लगे थे। उन पर केस भी दर्ज हुए थे, हालांकि डिप्लोमैटिक इम्युनिटी की वजह से वे बच निकले थे।

मुस्लिम महिलाओं की ईद्दत और डीएनए का वैज्ञानिक शोध

पुरुषों का डीएनए एक महिला के शरीर में ९० से १४० दिन तक मौजूद रहता है

(डीऑक्सीराइबो न्यूक्लिक एसिड)

फ्लोरिडा के डॉक्टर जेम्स १९६८ में एक प्रयोगशाला में मानव डीएनए पर शोध कर रहे थे. वह एक ईसाई था, उसकी पत्नी काली थी और उनके तीन बच्चे थे, पड़ोस में एक मुस्लिम परिवार रहता था, डॉ. जेम्स की पत्नी मुस्लिम परिवार में आती जाती थी। मुस्लिम महिला का पुरुष इस बीच मर जाता है, इसलिए महिला अपने पति की मृत्यु के बाद ईद्दत में बैती है। डॉ जेम्स की पत्नी अपने पति के साथ घर में मुस्लिम महिला की ईद्दत का उल्लेख करती थी कि यह कैसा धर्म है जो महिला को ४ महीने १० दिनों तक घर में कैद रखता है।

डॉ. जेम्स वैज्ञानिक अनुसंधान के शौकीन बन गए और उन्होंने इस्लामिक अध्ययनों पर मुस्लिम महिलाओं की ईद्दत पर शोध किया और इस बीच उनके शरीर में डीएनए पर शोध शुरू किया।

जैसा जैसा उन्होंने शोध किया, अल्लाह ने इस डॉक्टर

की बुद्धि पर से पर्दा हटा दिया,

वह उस नतीजे पर पहुंचा कि ईद्धत के समय की वजह से मुस्लिम महिलाएं अन्य धर्मों की महिलाओं की तुलना में अधिक पवित्र रहती हैं।

कारण, यह कि एक पुरुष का डीएनए एक महिला के शरीर में ९० से १३० दिनों के लिए मौजूद रहता है

जब किसी महिला के पति की मृत्यु हो जाती है या एक महिला का तलाक हो जाता है, तो इस्लाम उस महिला के लिए ४ महीने १० दिन तक ईद्त मे रहना अनिवार्य कर दिया है। ताकि

जब विधवा या तलाकशुदा महिला दूसरी शादी करती है, तो उसके शरीर में पहले पति का डीएनए मौजूद ना रहें। वह तलाक़ शुदा या विधवा महिला जो ४ महीने १० दिनों की अवधि के भीतर किसी अन्य पुरुष से शादी करती है, वह शुद्ध नहीं है। क्योंकि उसके शरीर में पहले पति का डीएनए होता है, जो समय के भीतर शादी करने वाली दूसरी महिला के पति से पैदा हुए बच्चों के बीच स्थानांतरण हो जाता है, जो इस्लाम में अत्यधिक निषिद्ध है। इस शोध को करते समय, डॉ. जेम्स ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों के डीएनए का उनकी प्रयोगशाला में परीक्षण किया तो उनकी पत्नी के शरीर में ४ अलग-अलग लोगों के नमूने पाए।और उनके एक बच्चे को छोड़कर, शेष दो बच्चों में दो अन्य लोगों के डीएनए के नमूने सामने आए।डॉ.जेम्स ने एक बेटे को अपने पास रखा, जिसमें केवल डॉक्टर और उसकी पत्नी का डीएनए पाया था और अपनी पत्नी के साथ दो बच्चों को डिवोर्स दे कर मुस्लिम बन गया था।और कनाडा में एक मुस्लिम महिला से शादी की। डॉ. जेम्स ने ईसाई धर्म छोड़ दिया इस्लाम में प्रवेश किया और डॉ जॉन का नाम अपना लिया, उन्होंने एक कनाडाई अखबार में एक रिपोर्ट के साथ अपना शोध प्रकाशित किया तो डॉ. जून के कई दोस्तों ने इस्लाम स्वीकार कर लिया। यूरोप में, डीएनए पर वैज्ञानिक अनुसंधान १९६० के दशक में शुरू किया गया था, इस्लाम में सदियों पहले ईद्धत की बुनियाद पर मानव डीएनए की ओर इशारा दिया गया है.

अरबपति रतन टाटा ने क्यों नहीं की शादी ?

टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा ने पूरी जिंदगी किसी से शादी नहीं है. लेकिन ऐसा नहीं है कि रतन टाटा ने कभी किसी से प्यार ही नहीं किया था. एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद अपनी लव लाइफ का जिक्र किया था. उनकी जिंदगी में प्यार ने एक नहीं बल्कि चार बार दस्तक दी थी. लेकिन मुश्किल दौर के आगे उनके रिश्ते की डोर कमजोर पड़ गई. इसके बाद फिर कभी रतन टाटा ने शादी के बारे में नही सोचा. आइए रतन टाटा के 83वें बर्थडे पर हम आपको उनकी लव लाइफ के बारे में बताते हैं.

दिग्गज बिजनैसमैन रतन टाटा का जन्म 28 दिसंबर 1937 को सूरत में हुआ था. टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन ने अपनी एक अलग पहचान बनाई और बेहतर मुकाम भी हासिल किया. उन्होंने टाटा ग्रुप को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का काम किया. बिजनेस की दुनिया में तो रतन टाटा ने खूब नाम कमाया लेकिन प्यार के मामले में वह असफल ही साबित हुए.

एक टीवी चैनल से इंटरव्यू में अविवाहित उद्योगपति रतन टाटा ने अपनी लव लाइफ के बारे में भी खुलासा किया था. उन्होंने कहा कि उन्हें भी प्यार हुआ था, लेकिन वह अपनी मोहब्बत को शादी के अंजाम तक नहीं पहुंचा सके.

टाटा ने कहा कि दूर की सोचते हुए उन्हें लगता है कि अविवाहित रहना उनके लिए ठीक साबित हुआ, क्योंकि अगर उन्होंने शादी कर ली होती तो स्थिति काफी जटिल होती.

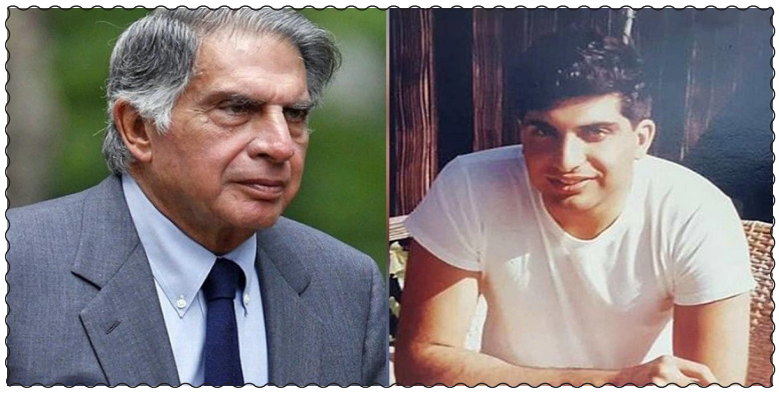

उन्होंने कहा, अगर आप पूछें कि क्या मैंने कभी दिल लगाया था, तो आपको बता दूं कि मैं चार बार शादी करने के लिए गंभीर हुआ और हर बार किसी न किसी डर से मैं पीछे हट गया. अपने प्यार के दिनों के बारे में टाटा ने कहा, जब मैं अमेरिका में काम कर रहा था, तो शायद मैं प्यार को लेकर सबसे ज्यादा सीरियसर हो गया था और हम केवल इसलिए शादी नहीं कर सके, क्योंकि मैं वापस भारत आ गया.

रतन टाटा की प्रेमिका भारत नहीं आना चाहती थीं. उसी वक्त भारत-चीन का युद्ध भी छिड़ा हुआ था. आखिर में उनकी प्रेमिका ने अमेरिका में ही किसी और से शादी कर ली.

यह पूछे जाने पर कि जिनसे उन्हें प्यार हुआ था, क्या वे अब भी शहर में हैं, उन्होंने हां में जवाब दिया, लेकिन इस मामले में आगे बताने से इनकार किया.

रतन टाटा पैदा तो समृद्ध परिवार में हुए थे लेकिन उनकी जिंदगी इतनी आसान नहीं रही. रतन टाटा जब 7 वर्ष के थे तो उनके पैरेंट्स अलग हो गए. उनका पालन-पोषण उनकी दादी ने किया.

रतन टाटा को कारों का बहुत शौक है. उनकी निगरानी में ग्रुप ने लैंड रोवर, जैगुआर, रेंजरोवर एक्वायर कीं. लखटकिया कार टाटा नैनो का गिफ्ट देने वाले भी रतन टाटा ही थे. रतन टाटा को विमान उड़ाने और पियानो बजाने का भी शौक है.

अपने रिटायरमेंट के बाद टाटा ने कहा था कि अब मैं बाकी जीवन अपने शौक पूरे करना चाहता हूं. अब मैं पियानो बजाऊंगा और विमान उड़ाने के अपने शौक को पूरा करूंगा.

भारत सरकार ने रतन टाटा को पद्म भूषण (2000) और पद्म विभूषण (2008) द्वारा सम्मानित किया. ये सम्मान देश के तीसरे और दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान हैं.

भारत को नए साल में नए सिद्धांत और क्षमता की आवश्यकता है

(चीन एक बढ़ती और आक्रामक महाशक्ति भारत के लिए बड़ा रणनीतिक खतरा है और पाकिस्तान के साथ चीन के कंटेनर भारत की रणनीति के लिए खतरा है। इसे देखते हुए, भारत के लिए दो-मोर्चे के खतरे के लिए तैयार रहना समझदारी होगी।)

वर्ष 2020 तक चल रहे कोरोनावायरस महामारी के कारण कई मोर्चों पर एक चुनौतीपूर्ण रहा है। महामारी के बावजूद, कई महत्वपूर्ण शिखर आयोजित किए गए, इन शिखर सम्मेलनों में, भारत ने समस्या के संभावित समाधानों पर चर्चा करने में अग्रणी भूमिका निभाई। न केवल महामारी के मोर्चे पर, बल्कि चीन ने भारत के लिए और यहां तक कि हिंद महासागर में कई चुनौतियों का सामना किया। भारत ने खड़े होकर कुछ साहसिक कदम उठाए। नई दिल्ली को कई समान विचारधारा वाले देशों ने चीन से दूर जाने की कोशिश में शामिल किया। क्वाड को मजबूत किया गया है और ऑस्ट्रेलिया मालाबार अभ्यास में शामिल हुआ। और भी बहुत कुछ था जो वर्ष के साथ-साथ प्रसारित हुआ। महामारी के कारण भारत ने आत्मानिर्भर होने में ध्यान केंद्रित किया है। जैसे-आरसीईपी से बाहर चलना और सरकार द्वारा घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने की कोशिश। हम कई वर्षों के बाद चीन के साथ ब्रेकिंग तक पहुंच गए हैं। वर्तमान ध्यान आर्थिक पतन और चीन की आक्रामकता का सामना करने पर है। भारतीय सेना ने चीन को 'हम आपका सामना करने के लिए तैयार हैं" का जज्जबा दिखाते हुए लद्दाख में ऊंचाइयों पर रणनीतिक पदों पर कब्जा कर लिया है।

मेडिकल डिप्लोमेसी से वैक्सीन का उत्पादन, दवाओं की आपूर्ति, पीपीई किट और वेंटिलेटर द्वारा भारत की विदेश नीति के लिए नया अतिरिक्त फायदा हुआ है। चीन से ध्यान हटाने के लिए, स्थायी, लचीला और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाओं से हमारे सहयोगी देशों से सम्बन्ध स्थापित किया जा रहा है। पाकिस्तान ने गैर-राज्य अभिनेताओं का उपयोग करके छद्म युद्ध छेड़ने के लिए भारत के खिलाफ अपनी विदेश नीति की आधारशिला के रूप में आतंकवाद का इस्तेमाल किया है। हमने पाक के अंदर आतंकी लॉन्च पैड्स का जवाब दिया है। अब भारत को लगातार चीन और पाक के द्वंद्व से निपटने की जरूरत है। भारत ने हमारी वैश्विक भूमिका को रेखांकित करने के लिए ब्रिक्स, सार्क, आसियान, एससीओ जैसे बहुपक्षीय मंचों का उपयोग किया है। भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन की उपस्थिति का मुकाबला करने के लिए क्वाड एक मजबूत निकाय के रूप में उभरा है।

पिछली शताब्दी के दौरान, भारतीय रणनीतिक सोच पाकिस्तान और वहां से निकलने वाले सुरक्षा विचारों पर अत्यधिक केंद्रित थी। हालांकि, हाल के दशकों में भारत की सैन्य समझदारी इस दृष्टिकोण पर दृढ़ है कि चीन-पाकिस्तान सैन्य खतरा एक वास्तविक संभावना है। मई 2020 में लद्दाख में चीनी घुसपैठ और बातचीत में गतिरोध ने अब चीनी सैन्य खतरे को और अधिक स्पष्ट और वास्तविक बना दिया है। लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्टों ने संकेत दिया था कि पूर्वी लद्दाख में चीन की तैनाती से मेल खाते हुए पाकिस्तान ने गिलगित-बाल्टिस्तान में 20,000 सैनिकों को स्थानांतरित कर दिया था। इसे देखते हुए, भारत के लिए दो-मोर्चे के खतरे के लिए तैयार रहना समझदारी

- डॉ. सत्यवान सौरभ
रिसर्च स्कॉलर, कवि, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

होगी। चीन-पाकिस्तान सैन्य संपर्क बढ़ रहा है चीन-पाकिस्तान संबंध कोई नई बात नहीं है, लेकिन इसके पहले से कहीं अधिक गंभीर प्रभाव आज भी हैं। चीन ने हमेशा पाकिस्तान को दक्षिण एशिया में भारत के प्रभाव के लिए एक काउंटर के रूप में देखा है। चीन अपनी चेकबुक कूटनीति के माध्यम से, दक्षिण-एशियाई पड़ोसियों पर इस आधिपत्य का प्रयोग करना चाहता है। इस खोज में, चीन सीमा टकराव पर भारत के आर्थिक संसाधनों को खत्म करना चाहेगा। इस प्रकार चीन द्वारा अपने पड़ोस में भारत की भूमिका को कम करने के लिए एक रणनीति हो सकती है। पिछले कुछ वर्षों में, चीन और पाकिस्तान देशों के बीच संबंध मजबूत हुए हैं और उनकी रणनीतिक सोच में बहुत बड़ा तालमेल है। इसे इस तथ्य से समझा जा सकता है कि चीन ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के माध्यम से पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। इसके अलावा, सैन्य सहयोग बढ़ रहा है, चीन के साथ 2015-2019 के बीच पाकिस्तान के कुल हथियारों के आयात का 73% हिस्सा है।

ऐसे में भारत को सुरक्षा सिद्धांत विकसित करने के लिए राजनीतिक नेतृत्व के साथ घनिष्ठ संपर्क की आवश्यकता होगी। हमारा ध्यान विमान, जहाज और टैंक जैसे प्रमुख प्लेटफार्मों पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित है और भविष्य की तकनीकों जैसे कि रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध आदि पर पर्याप्त नहीं है। हमें चीन और पाकिस्तान की युद्ध-लड़ने की रणनीतियों के विस्तृत आकलन के आधार पर सही संतुलन बनाना होगा। दक्षिण एशियाई पड़ोसियों में संबंधों में सुधारः भारत के साथ शुरू करने के लिए, अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिए अच्छा काम करेगा, ताकि चीन और पाकिस्तान इस क्षेत्र में भारत को शामिल करने और विवश करने का प्रयास न करें। ईरान सहित पश्चिम एशिया में प्रमुख शक्तियों की सरकार की वर्तमान व्यस्तता को बढ़ाया जाना चाहिए ताकि ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित हो, समुद्री सहयोग बढ़े और विस्तारित पड़ोस में सद्भावना बढ़े। रूस के साथ संबंध में सुधार सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के संबंधों के पक्ष में रूस के साथ अपने संबंधों का बलिदान नहीं हो, ताकि रूस भारत के खिलाफ एक क्षेत्रीय गिरोह की गंभीरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। कश्मीर के लिए एक राजनीतिक आउटरीच पीड़ित नागरिकों को शांत करने के उद्देश्य से उस छोर की ओर एक लंबा रास्ता तय करने की योजना पर काम करना होगा।

हमें विश्व व्यवस्था में सुधार वाले बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक संस्थानों में एक सोच वाले देशों की तरह संलग्न रहते हुए पाक और चीन से लड़ने की जरूरत है। भारत ने अपनी चिकित्सा कूटनीति द्वारा दुनिया के लिए अपनी परोपकारिता दिखाई है। इसके अलावा चीन, भारत और प्रशांत क्षेत्र के साथ शांतिपूर्ण सीमाओं को बनाए रखने के लिए चीन की बढ़ती ताकत का मुकाबला करने के लिए भारत, जापान और यूएसए जैसे बड़े देशों के करीब आया है।

चीन एक बढ़ती और आक्रामक महाशक्ति भारत के लिए बड़ा रणनीतिक खतरा है और पाकिस्तान के साथ चीन के कंटेनर भारत की रणनीति के लिए खतरा है। इस संदर्भ में, यह निश्चित है कि युद्ध के खतरे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और इसलिए हमें इस आकस्मिकता से निपटने के लिए सिद्धांत और क्षमता दोनों विकसित करने की आवश्यकता है।

यूपीः धर्म परिवर्तन करने वाले परिवार को जिंदा जलाने की कोशिश, प्रधान समेत पांच पर केस

सलोन : कोतवाली क्षेत्र में शनिवार की रात मुस्लिम से हिंदू धर्म अपनाने पर युवक और उसके मासूम बच्चों को जिंदा जलाने का प्रयास किया गया। अराजकतत्वों ने घटना को अंजाम देने से पूर्व बाहर से दरवाजे में ताला लगा दिया। इसके बाद घर के छप्पर में आग लगा दी। आग की लौ घर के अंदर पहुंची तो युवक ने चीख पुकार मचाना शुरू कर दिया।

वहीं सामने से दरवाजा बंद होने के बाद युवक ने पीछे का दरवाजा तोड़कर अपनी और बच्चों की जान बचाई। आग से पूरा घर जलकर राख हो गया। घटना की सूचना पर हिंदू संगठन और पुलिस बल मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद से आरोपी घरों में ताला बंदकर भाग निकले। पुलिस ने पीड़ित युवक की तहरीर पर ग्राम प्रधान समेत पांच लोगों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। डीएम वैभव श्रीवास्तव, एसपी श्लोक कुमार ने घटनास्थल का जायजा लिया और मामले में कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सलोन कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सभा अतागंज रतासो निवासी अनवर पुत्र मोहम्मद हसन ने चार माह पूर्व 2 सितंबर 2020 को युवक अपने बच्चो के साथ वैदिक विधि विधान से मुस्लिम धर्म त्यागकर हिंदू धर्म अपनाया था। उसने अपना नाम देव प्रकाश पटेल, जबकि दो बेटों का नाम देवनाथ (5), दीनदयाल (4) और बेटी का नाम दुर्गा देवी (3) रखा था। युवक बच्चों के साथ गांव में रहता था।

शनिवार को खाना खाकर बच्चों समेत घर के अंदर युवक सो गया। शनिवार की रात लगभग ढाई बजे अराजक तत्वों ने बाहर के दरवाजे में ताला लगा दिया। इसके बाद छप्पर और घर के चारों ओर आग लगाकर युवक और उसके मासूम बच्चों को जिंदा जलाने का प्रयास किया।

पीड़ित युवक के मुताबिक उसकी आंख खुली तो चारों ओर आग का जलजला दिखाई दे रहा था। बच्चों को जगाकर घर से बाहर निकलने का प्रयास करने लगा। किसी ने बाहर का दरवाजा बंद कर दिया था। इसके बाद पीछे के दरवाजे से जान बचाकर भागना पड़ा।

घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी रामकिशोर सिंह, थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी एक प्लाटून पीएसी के साथ भारी तादात में पुलिस बल मौके पर पहुंच गई। हिंदूवादी संगठन बजरंगदल, विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के आक्रोशित लोग मौके पर पहुंच गए। इस दौरान थानाध्यक्ष और सीओ सलोन ने हिंदू नेताओं को शांत कराकर हालात को नियंत्रित किया।

कहा जा रहा है कि हिंदू धर्म अपनाने के चलते युवक और उसके बच्चों को जिंदा जलाने का प्रयास किया गया। पीड़ित युवक देव प्रकाश पटेल ने गांव के ही ग्राम प्रधान ताहिर, द्वारिका सिंह, रेहान उर्फ सोनू, अली अहमद, इम्तियाज व मदरसे के लोगों पर घर में आग लगाकर जिंदा जलाने का आरोप लगाया।

थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि रात्रि गस्त के दौरान घटना की जानकारी हुई थी। मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड के द्वारा आग पर काबू पाया गया। तहरीर के आधार ग्राम प्रधान ताहिर समेत अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। नामजद आरोपियों के घर पर दबिश दी जा रही है। मौके से सभी आरोपी फरार हैं। गांव में एहतियातन पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

डीएम वैभव श्रीवास्तव और एसपी श्लोक कुमार ने गांव पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। साथ ही पूरे घटनाक्रम की बारीकी से पड़ताल की। उन्होंने पीड़ित के साथ ही गांव वालों से पूरे घटनाक्रम के बारे में जानकारी ली। दोनों अधिकारियों ने मामले में सख्त कार्रवाई किए जाने की बात कही।

युवक ने कुछ दिन पहले ही मुस्लिम धर्म से हिंदू धर्म अपनाया था। हिंदू धर्म अपनाने पर ही उसका घर जलाया गया या नहीं, यह बात पूरी जांच के बाद ही सामने आ पाएगी। आरोपियों से युवक के जमीनी विवाद होने की बात भी सामने आई है। जांच के दौरान यह भी पाया गया है कि युवक के घर का बिजली कनेक्शन कटा था। घर के पास बालू भी रखी थी।

यह कुछ घटना को लेकर संदेह उत्पन्न कर रहा है। फिलहाल मामले में मामले में पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। स्थानीय पुलिस के अलावा सीओ सलोन-एसडीएम भी संयुक्त रूप से मामले की जांच करेंगे।

पाकिस्तान : बेनजीर भुट्टो की ज़िंदगी के वो आखिरी 18 घंटे

जब 26 दिसंबर, 2007 की रात बेनजीर भुट्टो पेशावर से लंबी ड्राइव कर इस्लामाबाद के अपने घर जरदारी हाउस पहुंचीं तो वो बहुत थकी हुई थीं लेकिन आईएसआई के प्रमुख मेजर जनरल नदीम ताज का संदेश उन तक पहुंच चुका था कि वो एक जरूरी काम से उनसे मिलना चाहते हैं.

पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने तय किया कि वो दो घंटे सोएंगी और देर रात नदीम ताज से मिलेंगीं. ये बैठक रात डेढ़ बजे हुई और इसमें बेनजीर के अलावा उनके सुरक्षा सलाहकार रहमान मलिक भी शामिल हुए.

नदीम ताज ने उन्हें बताया कि उस दिन कोई उनकी हत्या करने का प्रयास करेगा. आईएसआई के प्रमुख मेजर जनरल नदीम ताज अपने स्रोत के बार में इतने निश्चित थे कि वो देर रात ये खबर करने बेनजीर के इस्लामाबाद वाले निवास पर खुद गए थे.

बीबीसी के पूर्व इस्लामाबाद संवाददाता ओवेन बेनेट जोंस अपनी किताब 'द भुट्टो डाइनेस्टी द स्ट्रगल फोर पावर इन पाकिस्तान' में लिखते हैं, 'ये सुनकर बेनजीर को शक हुआ कि शायद नदीम ताज उन पर अपने कार्यक्रम रद्द करने के लिए तो दबाव नहीं डाल रहे हैं. उन्होंने ताज से कहा कि अगर आप इन आत्मघाती हमलावरों के बारे में जानते हैं तो आप इन्हें गिरफ़्तार क्यों नहीं कर लेते? ताज का जवाब था कि 'ये असंभव है क्योंकि इससे उनके स्रोत का राज खुल जाएगा.'

इस पर बेनजीर ने कहा आप मेरी सुरक्षा बढ़ा दीजिए. आप ये सुनिश्चित करिए कि न सिर्फ.मुझे सुरक्षित रखा जाए बल्कि मेरे लोगों को भी सुरक्षित रखा जाए. आईएसआई के प्रमुख ने वादा किया कि वो इसके लिए अपना पूरा जोर लगा देंगे.'

जब बेनजीर जनरल ताज से मिल रही थीं उनके हत्यारे उनकी हत्या के लिए अपनी आखिरी तैयारी कर रहे थे.

बेनेट जोंस लिखते हैं, 'आधी रात के बाद तालिबान का एक हैंडलर नसरुल्ला अपने साथ पंद्रह साल के दो बच्चों बिलाल और इकरामउल्ला को लिए रावलपिंडी पहुँच चुका था. इस बीच तालिबान के दो और लोग हसनैन गुल और रफाकत हुसैन रावलपिंडी के लियाकत हुसैन पार्क का मुआयना कर आए थे, जहाँ शाम को बेनजीर भुट्टो को भाषण देना था. उस समय पुलिस पार्क के तीनों गेटों पर मेटल डिटेक्टर लगा रही थी. लेकिन इससे कोई फर्क. नहीं पड़ने वाला था क्योंकि योजना थी कि बेनजीर पर उस समय हमला किया जाएगा जब वो रैली से वापस जा रही होंगी.'

'ये दोनों शख़्स वहाँ से पूरी तरह संतुष्ट होकर लौटे और उन्होंने बिलाल को कुछ कारतूसों के साथ एक पिस्टल और इकरामुल्ला को एक हैंड ग्रेनेड दिया. हसनैन ने बिलाल को सलाह दी कि वो ट्रेनर जूतों की जगह कोई और चीज अपने पैरों में पहने क्योंकि सुरक्षा बलों को सिखाया जाता है कि जिहादी ट्रेनर जूते पहनते हैं और वो उसे शक के आधार पर पकड़ सकते हैं. बिलाल ने सलाह मानते हुए जूते उतार कर उनकी जगह चप्पल पहन ली.'

नमाज पढ़ने के बाद हसनैन बिलाल को उस गेट पर ले गया जिसे उनकी नजर में बेनजीर इस्तेमाल करने वाली थीं.

लियाकत बाग जाने से पहले हामिद करजई से मुलाकात

बेनजीर भुट्टो की हत्या की जाँच के लिए बने संयुक्त राष्ट्र जाँच आयोग के प्रमुख और बाद में इस पर एक किताब 'गेटिंग अवे विद मर्डर ' लिखने वाले हेराल्डो मुन्योज लिखते हैं, '27 दिसंबर की सुबह बेनजीर साढ़े आठ बजे सो कर उठीं. 9 बजे उन्होंने नाश्ता किया. ढाई घंटे बाद वो अमीन फहीम और पीपल्स पार्टी के एक पूर्व सीनेटर के साथ अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजाई से मिलने चली गईं. करजई इस्लामाबाद के सेरीना होटल की चौथी मंज़िल पर ठहरे हुए थे. उनसे मिलकर वो एक बजे जरदारी हाउस लौटीं. उन्होंने खाना खाया और अपने साथियों के साथ शाम को लियाकत बाग में दिए जाने वाले भाषण को अंतिम रूप दिया.'

दोपहर बाद बेनजीर गाड़ियों के एक काफि ले में लियाकत बाग के लिए रवाना हुईं. काफि ले में सबसे आगे टोयोटा लैंड क्रूजर में पीपीपी के सुरक्षा प्रमुख तौकीर कैरा थे.

इसके ठीक पीछे बेनजीर की सफेद रंग की लैंड क्रूजर चल रही थी और उसके दोनों तरफ कैरा के

दो और वाहन चल रहे थे. इन वाहनों के पीछे जरदारी हाउस के दो टॉयोटा विगो पिकअप ट्रक चल रहे थे. इनके पीछे जरदारी हाउस की काली मर्सिडीज बेंज भी थी जो बुलेटप्रूफ थी और जरूरत पड़ने पर बेनजीर उसका इस्तेमाल बैक अप वाहन के तौर पर कर सकती थीं.

बेनजीर की कार में आगे की सीट पर बाईं तरफ उनके ड्राइवर जावेदुर रहमान और दाहिनी तरफ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेजर इमतियाज हुसैन बैठे हुए थे. बीच की सीट पर बाईं तरफ पीपीपी के वरिष्ठ नेता मकदूम अमीन फहीम, बीच में बेनजीर और दाहिनी तरफ बेनजीर की राजनीतिक सचिव नाहीद खाँ बेठी हुई थीं.

दो बज कर 15 मिनट पर बेनजीर का काफि ला फैजाबाद जंक्शन पहुंचा जहाँ से उनकी सुरक्षा की ज़िम्मेदारी रावलपिंडी ज़िला पुलिस के पास आ गई. दो बज कर 56 मिनट पर बेनजीर की गाड़ियों का काफि ला दाहिने मुड़ कर मरी रोड - लियाकत रोड जंक्शन पर आ गया और लियाकत बाग के वीआईपी पार्किंग क्षेत्र की तरफ बढ़ने लगा.

इस बीच बेनजीर खड़ी हो गई थीं और उनकी लैंडक्रूजर की छत के स्केप हैच से उनका चेहरा दिख रहा था. वो लोगों की तरफ हाथ हिला कर उनका अभिवादन स्वीकार कर रही थीं और उनका वाहन धीरे-धीरे लियाकत रोड पर बढ़ रहा था. बेनजीर की सुरक्षा कर रहे लोगों ने उन्हें एक बार भी नहीं टोका कि इस तरह खड़े होना खतरे से खाली नहीं है.

हेराल्डो मुन्योज अपनी किताब 'गेटिंग अवे विद मर्डर' में लिखते हैं, 'तीन बज कर 16 मिनट पर बेनजीर के काफि ले को 5 से 6 मिनट तक पार्किंग क्षेत्र के अंदर वाली गेट पर रुकना पड़ा क्योंकि पुलिस के पास गेट खोलने की चाबी नहीं थी. इस बीच बेनजीर पूरी तरह असुरक्षित अपने वाहन पर खड़ी रहीं और स्केप हैच से उनका चेहरा दीखता रहा.'

इसके बाद बेनजीर ने दस हजार लोगों के सामने करीब आधे घंटे भाषण दिया. इस दौरान उन्होंने 17 बार अपने पिता का नाम लिया. भाषण खत्म होते ही 'बेनजीर ज़िंदाबाद' और 'बेनजीर वजीरे' आजम के नारों से पूरा इलाका गूँज उठा. भाषण के बाद बेनजीर अपनी गाड़ी में बैठीं. उनकी गाड़ी बहुत देर तक रुकी रही क्योंकि उनके समर्थकों ने उसे चारों तरफ से घेर लिया. भीड़ देख कर बेनजीर खड़ी हो गईं और उसके इमर्जेंसी हैच से उनका सिर और कंधे दिखाई देने लगे. उस समय 5 बज कर 10 मिनट हुए थे.

ओवेन बेनेट जोंस लिखते हैं, 'सुबह से इंतेजार कर रहे बिलाल को लगा कि उसका समय आ पहुँचा है. वो पहले बेनजीर के वाहन के सामने गया और फिर उसके बगल में पहुंचा जहाँ कम लोग मौजूद थे. उसने अपनी पिस्टल निकाली और बेनजीर के सिर का निशाना लिया. एक सुरक्षा गार्ड ने बिलाल को रोकने की कोशिश की. वो चूँकि थोड़ी दूरी पर था, इसलिए वो उसकी बाँह को बस छू भर पाया. बिलाल ने एक सेकेंड से भी कम समय में तीन फायर किए. तीसरी गोली चलते ही बेनजीर एक पत्थर की तरह इस्केप हैच के नीचे अपने वाहन की सीट पर गिरीं. जैसे ही वो नीचे गिरीं बिलाल ने अपना आत्मघाती बम भी फोड़ दिया.'

'गेटिंग अवे विद मर्डर' के लेखक हेराल्डो मुन्योज लिखते हैं, 'नाहीद खाँ ने जो बेनजीर के दाहिने तरफ बैठी हुई थी मुझे बताया कि जैसे ही उन्होंने तीन गोलियों की आवाज सुनी, बेनजीर नीचे गिरीं और उनके सिर का दाहिना हिस्सा उनकी गोद में गिरा. उनके सिर और कान से तेजी से खून निकल रहा था और मेरे सारे कपड़े उनके खून से तर हो गए थे. मकदूम अमीन फहीम ने जो बेनजीर की बाईं तरफ बैठे हुए थे बताया कि जब बेनजीर गिरीं तो उनके शरीर में जीवन का कोई चिह्न नहीं था. उनके वाहन में किसी और को कोई गंभीर चोट नहीं लगी.'

वहाँ पर एक भी एंबुलेंस उपलब्ध नहीं थी. बम फटने से बेनजीर की कार को चारों टायर फट गए थे. ड्राइवर लोहे की रिम पर कार को चलाते हुए उसे रावलपिंडी जनरल अस्पताल की तरफ ले गया. लियाकत रोड पर 300 मीटर चलने के बाद उसने कार को उसी हालत में बाएं मोड़ा. कार उसी हालत में कुछ किलोमीटर तक और चली. एक जगह जब लैंड क्रूजर कार ने यू-टर्न लेना चाहा तो वो रुक गई और आगे नहीं बढ़ सकी. घटनास्थल पर मौजूद दो कमांडो वाहनों ने बेनजीर के वाहन के पीछे आने की कोशिश की लेकिन सामने लाशें और घायल लोगों के पड़े होने की वजह से वो आगे नहीं बढ़ पाए.

नाहीद खाँ ने ओवेन बेनेट जोंस को बताया, 'हमारे सामने बेनजीर को टैक्सी से अस्पताल ले जाने के अलावा कोई चारा नहीं रहा. पुलिस का कहीं अता-पता नहीं था. हम टैक्सी का इंतजार कर ही रहे थे कि दो या तीन मिनटों के अंदर एक जीप आ कर रुकी. हम उस जीप में बेनजीर को अस्पताल ले गए. वो जीप बेनजीर की प्रवक्ता शेरी रहमान की थी.' रिकार्ड बताते हैं कि वो लोग हमले के 34 मिनट बाद अस्पताल पहुंचे.

अस्पताल पहुंचने के तुरंत बाद बेनजीर को पार्किंग इलाके में ही स्ट्रेचर पर लिटा कर अंदर ले जाया गया. उनकी न तो नब्ज चल रही थी और न ही उन्हें साँस आ रही थी.

उनकी आँखों की पुतलियाँ एक जगह स्थिर थीं और टॉर्च की रोशनी डालने से भी उनमें कोई हरकत नहीं हो रही थी. उनकी सिर की चोट से लगातार खून निकल रहा था और वहाँ से एक सफेद पदार्थ बाहर निकल आया था. इस बात के पूरे सबूत होने के बावजूद के उनमें कोई जान नहीं बची है, डॉक्टर सईदा यासमीन ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की. थोड़ी देर में डाक्टर औरंगजेब खाँ भी उनकी मदद के लिए आ गए. एक मिनट के अंदर उनके गले में चीरा लगा कर उसमें एक ट्यूब डाल दी गई.

5 बज कर 50 मिनट पर अस्पताल के सीनियर फि जीशियन प्रोफेसर मोसद्दिक खाँ ने वहाँ पहुंच कर चार्ज सँभाल लिया. बेनजीर की नाक और कान से लगातार खून बह रहा था. हमले के पचास मिनट बाद छह बजे से कुछ मिनट पहले डॉक्टर उन्हें ऑपरेशन थिएटर में ले गए. प्रोफेसर मुसद्दिक खाँ ने उनके सीने में चीरा लगाया और हाथ से उनके दिल पर मसाज करने लगे. लेकिन उनका शरीर शांत पड़ा रहा. 6 बज कर 16 मिनट पर बेनजीर को मृत घोषित कर दिया गया.

बेनजीर के दुपट्टे का अब तक पता नहीं चला

सारे पुरुषों से ऑपरेशन थिएटर से बाहर जाने के लिए कहा गया. डाक्टर कुदसिया अंजुम कुरैशी और नर्सों ने उनके पार्थिव शरीर को साफ किया और सिर की चोट पर पट्टी बाँधी. उनके खून से सने कपड़ो को उतार कर उन्हें अस्पताल के कपड़े पहनाए गए.

एमपी में लव जिहाद के खिलाफ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक को मंजूरी

'लव जिहाद' के खिलाफ सख्त कानून बनाने के लिए मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल ने शनिवार को 'धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2020' को मंजूरी दे दी। इस कानून में शादी तथा किसी अन्य कपटपूर्ण तरीके से किए गए धर्मांतण के मामले में अधिकतम 10 साल की कैद एवं एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मध्य प्रदेश के कानून एवं गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने यहां संवाददाताओं को इस संबंध में जानकारी दी और साथ में ट्वीट भी किया कि 'धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2020' को शनिवार को मंजूरी दे दी गई।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक को विधानसभा के आसन्न सत्र में पेश किया जाएगा और इसके पारित होते ही 'धर्म स्वातंत्र्य कानून 1968' समाप्त हो जाएगा। मिश्रा ने कहा, "इस विधेयक के कानून बनने पर कोई भी व्यक्ति दूसरे को प्रलोभन, धमकी एवं बलपूर्वक विवाह के नाम पर अथवा अन्य कपटपूर्ण तरीके से प्रत्यक्ष अथवा अन्यथा उसका धर्म परिवर्तन अथवा धर्म परिवर्तन का प्रयास नहीं कर सकेगा।" उन्होंने कहा कि इसके बाद कोई भी व्यक्ति धर्म परिवर्तन का षड्यंत्र नहीं कर सकेगा।

मिश्रा ने बताया कि इस कानून का उल्लंघन करने पर एक से 10 साल तक की कैद एवं एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इस विधेयक के विभिन्न प्रावधानों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अपना धर्म छिपाकर (लव जिहाद) धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम का उल्लंघन करने पर तीन साल से 10 साल तक के कारावास और 50,000 रुपये के अर्थदण्ड तथा सामूहिक धर्म परिवर्तन (दो या अधिक व्यक्ति) का प्रयास करने पर पांच से 10 वर्ष तक के कारावास एवं एक लाख रुपये के अर्थदण्ड का प्रावधान किया गया है।

मिश्रा ने कहा कि किसी भी व्यक्ति द्वारा अधिनियम का उल्लंघन किए जाने पर एक साल से पांच साल तक का कारावास और 25,000 रुपये का जुमार्ना लगेगा। उन्होंने कहा कि नाबालिग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के मामले में दो से 10 साल तक का कारावास और कम से कम 50,000 रुपये का अर्थदंड लगाने का प्रावधान किया गया है। मिश्रा ने बताया कि इस विधेयक में स्वेच्छा से धर्म संपरिवर्तन करने वाले व्यक्ति अथवा उसका धर्म संपरिवर्तन कराने वाले धार्मिक व्यक्ति द्वारा जिला दंडाधिकारी को 60 दिन पहले सूचना दिया जाना अनिवार्य किया गया है।

बिहार के उट पर आशुतोष ने कसा तंज- नीतीश कुमार कभी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे और आज?'

आने लगे ऐसे कमेंट्स

उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन कराने वाले धार्मिक व्यक्ति द्वारा जिला दंडाधिकारी को धर्म संपरिवर्तन के 60 दिन पूर्व सूचना नहीं दिए जाने पर कम से कम तीन वर्ष तथा अधिकतम पांच वर्ष के कारावास तथा कम से कम 50,000 रुपये के अर्थदंड का प्रावधान किया गया है। मिश्रा ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति एक से अधिक बार इस अधिनियम का उल्लंघन करते हुए पाया गया, तो उसे पांच से 10 साल तक के कारावास का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम में कार्रवाई के लिए धर्मांतरण के लिए बाध्य किए गए पीड़ित व्यक्ति अथवा उसके माता-पिता या भाई-बहन अथवा अभिभावक शिकायत कर सकते हैं k/स्र>

मिश्रा ने कहा कि धर्मांतरण के लिए होने वाली शादियों पर रोक लगाने के लिए प्रस्तावित 'धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम' को कठोर बनाने के साथ कुछ ऐसे प्रावधान किए गए हैं जो देश के किसी भी राज्य में अब तक नहीं हैं। उन्होंने बताया कि नए कानून में धर्म संपरिवर्तन (लव जिहाद) के आशय से किया गया विवाह अमान्य घोषित करने के साथ महिला और उसके बच्चों के भरण पोषण की जिम्मेदारी तय करने का प्रावधान भी किया गया है। ऐसे विवाह से जन्मे बच्चे माता-पिता की संपत्ति के उत्तराधिकारी होंगे।

मिश्रा ने कहा कि 'धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम' का उल्लंघन करने वाली संस्था एवं संगठन को भी अपराधी के समान सजा मिलेगी। उन्होंने बताया कि किसी मामले में धर्मांतरण नहीं किया गया है, यह आरोपी को साबित करना होगा। मिश्रा ने कहा कि अपराध को संज्ञेय और गैर जमानती बनाने के साथ उप पुलिस निरीक्षक से कम श्रेणी का अधिकारी इसकी जांच नहीं कर सकेगा। उल्लेखनीय है कि 28 से 30 दिसंबर के बीच मध्य प्रदेश विधानसभा का तीन दिवसीय सत्र आयोजित किया जाएगा।

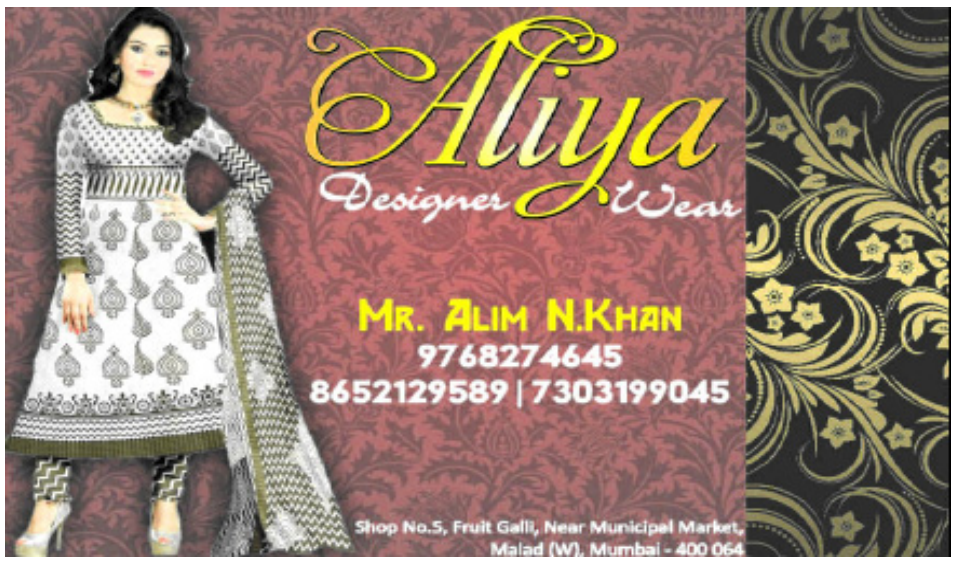

IAS Success Story: पहले ही प्रयास में चुनी गईं माधुरी, जानें उनकी स्ट्रेटजी और सफलता का सीक्रेट

साल 2017 में अपने पहले ही प्रयास में यूपीएससी सीएसई परीक्षा पास करने वाली माधुरी गड्डम से जानते हैं उनकी सफलता का सीक्रेट. अभी तक हमने अक्सर उन टॉपर्स की सफलता की कहानियां सुनी हैं जो इस फील्ड में आने के बाद सालों मेहनत करते हैं और कई अटेम्प्ट्स देते हैं तब उनका चयन होता है. लेकिन हमारी आज की टॉपर की बात ही कुछ अलग है. वे अपने पहले ही प्रयास में न सिर्फ यूपीएससी सीएसई परीक्षा पास कर गईं बल्कि टॉपर भी बनीं. हम बात कर रहे हैं माधुरी गड्डम की. माधुरी ने साल 2017 की यूपीएससी सीएसई परीक्षा 144वीं रैंक से पास की और उन्हें इंडियन फॉरेन सर्विस एलॉट हुई. माधुरी के इस अचीवमेंट की एक और खास बात यह थी कि साल 2017 में उन्होंने इंटरव्यू में सेकेंड हाइऐस्ट मार्क्स पाए थे. माधुरी के इंटरव्यू में अंक आए थे 204 जो एक फर्स्ट टाइमर के लिए काफी बड़ी सफलता है. दिल्ली नॉलेज ट्रैक को दिए इंटरव्यू में माधुरी ने इंटरव्यू क्रैक करने के खास टिप्स दिए.

CISF में असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर के पदों पर निकली भर्ती, 690 वैकेंसीज के लिए ऐसे करें अप्लाई

माधुरी कहती हैं की सामान्यतः साक्षात्कार की शुरूआत इंट्रोडक्शन से ही होती है. अगर इस समय लय बन जाए या जो एक औपचारिक सी जड़ता कमरे में होती है वह पिघल जाए तो आगे की राह आसान हो जाती है. वे सलाह देती हैं कि इसकी शुरूआत अगर किसी स्टोरी या आपका इस फील्ड में आने का क्या इंस्पिरेशन है जैसी बातों से हो जाए तो अच्छा रहता है. आपका कोई अनुभव या आपके जीवन में आया कोई सिविल सर्वेंट जिसने आपको यह राह चुनने के लिए प्रेरित किया जैसी बातों से बातचीत की शुरूआत की जा सकती है. इससे माहौल भी हल्का होता है बातचीत का एक फ्लो बनता है.

बनाएं रखें अपना टेम्प्रामेंट

माधुरी आगे कहती हैं कि बातचीत के दौरान कई बार ऐसे टॉपिक्स छिड़ जाते हैं कि माहौल भारी हो जाता है. वे अपना उदाहरण देती हैं कि किसी विषय पर बात होने के दौरान वे सब्जेक्ट के फेवर में बोल रही थी और वहां से लगातार काउंटर क्वैश्चन हो रहे थे. एक समय तो ऐसा आया कि माहौल काफी भारी हो गया था. ऐसे में वे अपने आप को कूल रखकर ही बात आगे बढ़ा रही थी. माधुरी कहती भी हैं कि कभी ऐसी सिचुएशन आए जो कि अक्सर होता है तो अपना कूल न खोएं. काम और कम्पोज्ड होकर बात करें. अपनी बात कहें पर उसे काटे जाने पर भड़के नहीं न ही अपनी आवाज का वॉल्यूम हाई करें और न ही इस बात से परेशान हों. जितना संयम आप दिखाएंगे वह आपके हक में जाएगा.

अपने उत्तरों के सपोर्ट में सामग्री रखें तैयार-

इंटरव्यू में जब कोई बात कहें तो ध्यान रखें कि वह केवल आपका व्यू न होकर एक ऐसी बात होनी चाहिए जिसके सपोर्ट में कहने के लिए आपके पास बहुत कुछ हो. आप अपनी बात हवा में नहीं कह रहे बल्कि आपके पास फैक्ट्स, रिपोर्ट्स, एनालिसेस, डेटा आदि होगा तो आपकी बात का ज्यादा प्रभाव पड़ेगा. बोर्ड को भी लगेगा की आप तैयारी के साथ आए हैं.

माधुरी एक बात और शेयर करती हैं कि कई बार हमें लगता है कि डैफ में हॉबी कॉलम से भी कुछ प्रश्न बनेंगे पर बहुत बार ऐसा भी होता है कि इससे कोई भी प्रश्न नहीं पूछा जाता. उनसे खुद से हॉबी पर एक ही प्रश्न नहीं पूछा गया. हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि आपको इस सेक्शन की तैयारी नहीं करनी है. याद रखें कि डैफ में लिखा एक-एक शब्द आपको ठीक से तैयार करना है.

हिज्बुल्ला नेता हसन नसरल्ला ने इजरायल को धमकी दी

बेरूत : पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच लेबनान के हिजबुल्ला नेता ने रविवार को दावा किया कि उसके संगठन ने एक साल में अपनी मिसाइल क्षमता दोगुनी कर ली है। यही नहीं इन मिसाइलों को हासिल करने से रोकने के इजराइल के प्रयास को भी उसने नाकाम कर दिया है। हसन नसरल्ला ने बेरूत के अरेबिक

अल-मायदीन टीवी को दिए साक्षात्कार के दौरान कहा कि आतंकवादी संगठन हिजबुल्ला के पास अब इजराइल में कहीं भी हमला करने और फलस्तीनी क्षेत्रों को कब्जा करने की क्षमता है।

नसरल्ला ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों के जरिए इजराइल ने पूर्वी बक्का क्षेत्र में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमले की धमकी दी थी। उसने कहा कि अगर इजराइल ने ऐसा किया तो हिजबुल्ला भी ऐसे हमलों पर जवाबी कार्रवाई करेगा। हाल के महीनों में इजराइल ने चिंता जताई है कि हिजबुल्ला मिसाइल निर्माण केंद्र स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। नसरल्ला ने चार घंटे चले साक्षात्कार में कहा कि हिजबुल्ला के बारे में ऐसी कई बाते हैं जिन्हें इजराइल नहीं जानता है क्योंकि वे बेहद गोपनीय हैं। नसरल्ला ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के कार्यकाल के आखिरी कुछ सप्ताह अहम हैं और इन्हें लेकर सतर्कता बरती जा रही है। हिजबुल्ला ईरान का मुख्य सहयोगी संगठन है, जिसके कारण इजराइल से उसकी दुश्मनी जगजाहिर है। इजराइल के साथ उसके कई संघर्ष भी हो चुके हैं। नसरल्ला ने दोहराया कि ईरान और उसके सहयोगी 'ईरानियन रिवोल्यूशनरी गार्ड' के शीर्ष कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला जरूर लेंगे। एक साल पहले इराक में अमेरिकी हमले में सुलेमानी की मौत हो गयी थी। उन्होंने कहा, 'बदला जरूर लिया जाएगा। भले ही इसमें कितना भी वक्त क्यों न लगे।' नसरल्ला ने सीरिया में हिजबुल्ला के लड़ाके की मौत का बदला लेने की बात भी दोहराई।

'स्पर्म स्मगलिंग' से गर्भवती हो रहीं इजरायल के जेलों में बंद आतंकियों की पत्नियां

इजरालय की जेल में कैद आतंकी अब अपनी पत्नियों को स्पर्म की स्मगलिंग कर गर्भवती कर रहे हैं। इससे न केवल आतंकियों की वंशवृद्धि हो रही है, बल्कि भविष्य में इजरायल के लिए और खतरा भी पैदा हो रहा है। बता दें कि इजरायल में आतंकवाद के आरोप में बंद कैदियों को वैवाहिक मुलाकात (उङ्गल्लव४’ ४२३२) की अनुमति नहीं दी जाती है। इस कारण ये आतंकी डिब्बों में अपने स्पर्म की स्मगलिंग कर पत्नियों के पास पहुंचा रहे हैं।

क्या होता है वैवाहिक मुलाकात

वैवाहिक मुलाकात में कैदियों को अपनी पत्नियों के साथ कुछ घंटे अकेले में मिलने की छूट दी जाती है। जिस कारण जेल अधिकारियों की आंख के नीचे कैदियों की पत्नियां गर्भवती होती हैं। आतंकियों को यह सुविधा न मिलने के कारण उनके लिए स्पर्म स्मगलिंग ही एकमात्र तरीका रह गया है। हालांकि, इजरायल की हाई सिक्योरिटी जेल के अंदर से आतंकियों की हर कोशिश सफल नहीं होती है।

कैसे शुरू हुआ सिलसिला

1986 में पॉपुलर फ्रंट ऑफ द लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन के कुछ आतंकियों ने एक इजरायली सैनिक मोशे तमाम का अपहरण कर हत्या कर दी थी। जिसके जवाब में इजरायली खुफिया एजेंसियों ने मध्य इजरायल के टीरा शहर की एक इजरायली अरबी वालिद डक्का को पकड़ा था। आतंकवाद की घटना में शामिल होने के कारण उसे कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई।

जेल में ही आतंकी ने रचाई शादी

जेल में कैद के दौरान ही उसकी मुलाकात इजरायली अरबी महिला पत्रकार साना सलामा से हुई। उन दिनों साना फिलिस्तीनी कैदियों के जीवन के बारे में लिखती थीं, जिससे उनको बार-बार इजरायली जेलों में कैद फिलिस्तीनी आतंकियों से मिलना होता था। जेल में बंद वालिद डक्का ने 1999 में साना सलामा के साथ शादी कर ली थी। यह जोड़ा अपने लिए एक बच्चा पैदा करना चाहता था, लेकिन आतंकियों को वैवाहिक मुलाकात की अनुमति न होने के कारण उनकी यह चाहत सफल नहीं हो पा रही थी।

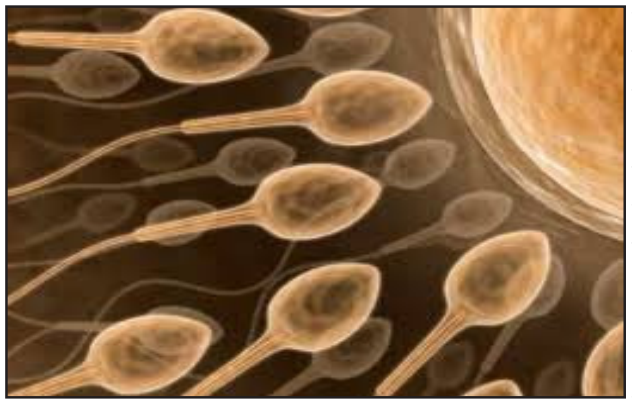

स्पर्म स्मगलिंग का तरीका हुआ ईजाद

इजरायल के अधिकारियों को डर है कि अगर आतंकियों को वैवाहिक मुलाकात की अनुमति दी जाती है तो इसका गलत फायदा उठाया जा सकता है। उनका आरोप है कि ऐसी मुलाकातों का इस्तेमाल आतंकवादियों द्वारा हथियारों, धन और यहां तक कि ड्रग्स की तस्करी के लिए किया जा सकता है। इसी कारण इन आतंकवादियों ने स्पर्म की तस्करी के तरीके को ईजाद किया।

अबतक 60 से अधिक आतंकियों की पत्नियां बनी मां

माना जाता है कि 2012 में साना ही वह पहली महिला है, जो स्पर्म स्मगलिंग के जरिए गर्भवती हुई थीं। इसके बाद से 2018 तक 60 से अधिक फिलिस्तीनी आतंकियों की पत्नियों ने स्पर्म स्मगलिंग के जरिए अपने बच्चों को जन्म दिया। इन सभी महिलाओं के पति आतंकी घटनाओं में शामिल होने के कारण इजरायल की विभिन्न जेलों में कैद हैं।

पत्नी के पाक जाने के बाद भी पूरी जिंदगी भारत में ही रहे मोहम्मद रफी, जानें - क्यों हुए थे अलग

हिंदी सिनेमा के मशहूर गायक रहे मोहम्मद रफी की आज 97वीं जयंती है। उनके गाए नगमे आज भी हर किसी की जुबान पर हैं। अपने अमर नगमों के लिए चर्चित मोहम्मद रफी के निजी जीवन जीवन की बात करें तो वह बेहद ही अनुशासित थे। वह फिल्मी पार्टियों से दूर ही रहते थे। स्मोकिंग और ड्रिंकिंग से दूर रहने वाले मोहम्मद रफी अपने घर से सीधे रिकॉर्डिंग रूम और फिर रिकॉर्डिंग रूम से घर आने के लिए जाने जाते थे। मोहम्मद रफी की दो शादियां हुई थी। हालांकि उनकी पहली शादी का अंत क्यों हुआ था, इसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते हैं।

पंजाब के अमृतसर जिले के कोटला सुल्तान सिंह गांव में जन्मे मोहम्मद रफी की पहली शादी बशिरा से उनके पैतृक गांव में ही हुई थी। दोनों की जिंदगी काफी अच्छी चल रही थी और उनका एक बेटा भी हुआ था, जिसका नाम सईद था। विजय पुलक्कल की पुस्तक 'Remembering Mohmmad Rafi' के मुताबिक 1947 में भारत के विभाजन के दौरान हुए दंगों में अपने माता-पिता को गंवाने के बाद बशिरा ने भारत छोड़ने का फैसला ले लिया था। वह भारत में नहीं रहना चाहती थीं। वह लाहौर में जाकर बस गई थीं, जबकि गायकी में अपना करियर बना रहे मोहम्मद रफी ने भारत में ही रहने का फैसला लिया था। इसके बाद उन्होंने दूसरी शादी बिलकिस से की थी।

मोहम्मद रफी के संगीत की ओर रुझान की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। उनके परिवार में किसी का भी संगीत से कोई नाता नहीं था, लेकिन गांव में आने वाले फकीरों के गानों को मोहम्मद रफी गुनगुनाते रहते थे। हालांकि मोहम्मद रफी की गायन की प्रतिभा को उनके पिता के एक दोस्त ने पहचाना और उन्हें मुंबई जाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने उस्ताद बड़े गुलाम अली खां, उस्ताद अब्दुल वाहिद खां, पंडित जीवन लाल मट्टू और फिरोज निजामी जैसे गायकों से संगीत की शिक्षा ली। उनकी पहली परफॉर्मेंस लाहौर में सिर्फ 13 साल की उम्र में हुई थी, जब उन्होंने तब के मशहूर गायक के.एल सहगल की नकल करते हुए गाया था।

इस फिल्म में मोहम्मद रफी को मिला था पहला ब्रेकः फिल्मी करियर की बात करें तो मोहम्मद रफी को पहला मौका पंजाबी फिल्म गुल बलोच में मिला था। यह फिल्म 1944 में रिलीज हुई थी। इसी साल उन्हें लाहौर के ऑल इंडिया रेडियो स्टेशन से गाने का मौका मिला था। इसके बाद अगले साल उन्हें हिंदी फिल्म गांव की गोरी में गाने का मौका मिला। 1945 में आई इस फिल्म के बाद मोहम्मद रफी का करियर औपचारिक तौर पर शुरू हो गया था और फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

नाच-गाने को हराम बताकर की मौलवी से शादी, अब न्यूज में बने रहने के लिए पोस्ट कर रही हैं सना खान पर बॉलीवुड एक्टर का तंज

'नाच-गाने को हराम बताकर की मौलवी से शादी, अब न्यूज में बने रहने के लिए पोस्ट कर रही हैं तस्वीरें- सना खान पर बॉलीवुड एक्टर का तंज

'कमाल खान ने लिखा है,सना खान ने बॉलीवुड छोड़ दिया और एक मौलवी से शादी कर ली क्योंकि इस्लाम में नाच, गाना, न्यूज, फिल्म आदि हराम हैं। पर वो न्यूज और बॉलीवुड में रहने के लिए हर दिन फोटो, वीडियो आदि पोस्ट करती रहती हैं।'

'बॉलीवुड अभिनेत्री सना खान ने कुछ दिन बॉलीवुड को अलविदा कहते हुए मौलवी मुफ्ती अनस से शादी की है। सना खान अकसर सोशल मीडिया पर मुफ्ती अनस के साथ फोटो पोस्ट करती रहती हैं। अब बॉलीवुड एक्टर कमाल खान ने सना खान पर निशाना साधा है। कमाल खान ने सना खान पर निशाना साधते हुए लिखा है,सना खान ने बॉलीवुड छोड़ दिया और एक मौलवी से शादी कर ली क्योंकि इस्लाम में नाच, गाना, न्यूज, फिल्म आदि हराम हैं। पर वो न्यूज और बॉलीवुड में रहने के लिए हर दिन फोटो,वीडियो आदि पोस्ट करती रहती हैं। यह सबूत है कि वो मानसिक रूप से डिस्टर्ब और डेसपरेट हैं। कितने लंबे समय तक यह शादी चल पाएगी ? कमाल खान के इस ट्वीट पर यूजर्स की तरह-तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही हैं। एक ट्विटर यूजर ने लिखा है,शक्ल अच्छी न हो तो कम से कम आदमी को सुबह सुबह बातें तो अच्छी करनी चाहिए। तुम कौन होते हो किसी की पर्सनल लाइफ को जज करने वाले कि किसको क्या करना चाहिए,नहीं करना चाहिए। किसकी शादी कबतक चलेगी, नहीं चलेगी ? वही

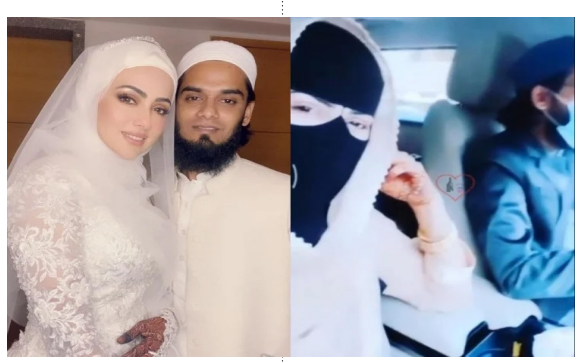

एक और ट्विटर यूजर ने लिखा है,कम ऑन ब्रो, उनकी शादी जिंदगी भर चले और जो वो कर रही हैं उनकी इच्छा है। इतने जजमेंटल मत बनो।

राहुल नाम के ट्विटर यूजर ने कमाल खान पर निशाना साधते हुए लिखा है,मैं तुम्हें एक किताब भेट करूंगा, उसे जरूर पढ़ना। उस किताब का टाइटल है माइंड योर ऑन बिजनेस। एक अन्य ट्विटर यूजर ने लिखा है,अगर ये चीजें हराम हैं तो हम भारतीय बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री में इतने सारे मुस्लिम एक्टर और आर्टिस्ट को क्यों देखते हैं ? यासीन हयात नाम के ट्विटर यूजर ने कमाल खान पर निशाना साधते हुए लिखा है,किसी और की जिंदगी में दखलअंदाजी बंद करो। इमरान खान नाम के ट्विटर यूजर ने लिखा है, पोस्ट कर रही है तो क्या हुआ, तुझको क्या तकलीफ है उसकी मर्जी। उसको जो अच्छा लगता है वो करेगी तुझे जो अच्छा लगता है तू करता है। राठौड़ नाम के ट्विटर यूजर ने लिखा है,तू क्यों वीडियो पोस्ट करता है ट, तेरे लिए हराम नहीं है क्या?',

यासीन हयात नाम के ट्विटर यूजर ने कमाल खान पर निशाना साधते हुए लिखा है, किसी और की जिंदगी में दखलअंदाजी बंद करो।

इमरान खान नाम के ट्विटर यूजर ने लिखा है, पोस्ट कर रही है तो क्या हुआ, तुझको क्या तकलीफ है उसकी मर्जी। उसको जो अच्छा लगता है वो करेगी तुझे जो अच्छा लगता है तू करता है। राठौड़ नाम के ट्विटर यूजर ने लिखा है, तू क्यों वीडियो पोस्ट करता है ट, तेरे लिए हराम नहीं है क्या?

CMYK

महाराष्ट्र क्राईम्स

समाचार

8

मुंबई, 5 जनवरी 2021

कैसे बना राजनेता ?

राजनीति की आड़ में चला रहा है वेश्या व्यवसाय!

(पेज १ का शेष....)

यह व्यवसाय उसने नवी मुंबई के खारघर में लिटिल वर्ल्ड मॉल, सेक्टर - २ यहां पर **कलमोरा स्पा** और सी.बी.डी. बेलापुर में **कर्मा स्पा** के नाम से शुरू किया। वहां पर उसने अपना स्पा प्रोफेशनल (व्यवसायिक) है, यह दिखाने के लिए उत्तर - पूर्व भारत के कुछ राज्यों की महिलाओं को काम पर रखा। यहाँ की महिला थेरेपिस्ट प्रोफेशनल मसाज के लिए जानी जाती हैं और कुछ महिलाएं इतर राज्यों से उसने खास देह व्यापार के लिए रखी, इस व्यापार में उसे अच्छा मुनाफा होने लगा और उसकी जेब गर्म रहने लगी। अपने इस देह व्यापार के धंधे को एक सुरक्षा कवच प्राप्त होने के लिए उसने विचार शुरु किया।

स्थानिक जानकारों के अनुसार शशिकांत सर्जेराव काकडे को कुछ लोगो ने राजनीति में सक्रिय होने की सलाह दी, यह सलाह उसको अच्छी लगी और उसने उस पर विचार विमर्श करना शुरू कर दिया। शशिकांत सर्जेराव काकडे ने भी यह सोच लिया कि अब यदि भविष्य बनाना तो राजनीति में सक्रिय होकर ही भविष्य बन सकता है। अपनी इस सोच को अंजाम देने के लिए शशिकांत सर्जेराव काकडे ने एक अच्छी राजनैतिक पार्टी की तलाश शुरु की, फिर नवी मुंबई में सक्रिय माननीय,आदरणीय श्री शरदचंद्र पवार जी की राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी के एक स्थानिक नेता के माध्यम से छोटा-मोटा कार्यकर्ता के रूप में पार्टी प्रवेश किया. पार्टी में प्रवेश के बाद शशिकांत सर्जेराव काकडे ने पार्टी में किसी अच्छा पद के लिए बहुत कोशिश की, उन्हें पदोन्नती मिली लेकिन शशिकांत सर्जेराव काकडे को हमेशा ही निराशा हाथ लगी। इसी बीच में शशिकांत सर्जेराव काकडे की मुलाकात मंगेश संजय बान्दुलकर उर्फ़ मोंटी नामक व्यक्ति से हुई (जो खुद एक नाबालिक लड़कियों का दलाल है और इस समय नवी मुंबई के तलोजा जेल में बंद है,) मोंटी ने शशिकांत सर्जेराव काकडे को समझाया कि किस तरह से वह पार्टी में बड़ा पद और कद हासिल प्राप्त कर सकता है और पार्टी के नेतागण उसके आगे-पीछे कैसे घूम सकते है? मोंटी की बताई बात शशिकांत सर्जेराव काकडे को पसंद आई और शशिकांत सर्जेराव काकडे ने मोंटी के सुझाव अनुसार नवी मुंबई में दो खारघर और बेलापुर में शुरू किए मसाज़ पार्लर में बड़े नेताओ को लाकर लडकियों द्वारा उन्हें मसाज के नाम पर खुश करने लगा, इससे पार्टी के कई लोग शशिकांत सर्जेराव काकडे से खुश रहने लगे और उन्ही लोगो की शिफारिश से शशिकांत सर्जेराव काकडे को पार्टी के नेरूल तालुका की कमान सौंपी गई और उसने कुछ ही समय में पार्टी में वह कद हासिल किया, जिसके लिए कार्यकर्ता काफी साल से मेहनत करके भी हासिल नही कर सके, इसलिए शशिकांत सर्जेराव काकडे मोंटी को अपना गुरु मानते है,

स्थानिक लोगों के अनुसार शशिकांत सर्जेराव काकडे ने अपने गुरु (मोंटी) के बताये हुये तौर-तरीके पर चल कर धन, दौलत और इज्जत बहुत कमाई। यहां तक की आज जिस घर में शशिकांत सर्जेराव काकडे अपने पूरे परिवार के साथ रहता है, वह घर बहुत महंगा है, दौलत की चकाचौंध के चलते शशिकांत सर्जेराव काकडे का कद और रुतबा इतना बड़ा हो गया कि उन्होंने पार्टी में लोगो को अपने से छोटा समझने लगा। इसी बात से पार्टी में बहुत से लोग नाराज़ थे, कई लोगों ने पार्टी के आलाकमान को इसकी शिकायत की और शिकायत के आधार पर पार्टी के आलाकमान ने शशिकांत सर्जेराव काकडे को उनके पद से हटा दिया गया है, आज शशिकांत सर्जेराव काकडे किसी पद पर नही है,

लेकिन आज भी शशिकांत सर्जेराव काकडे को अपने दोनों मसाज पार्लर के चलते यह उम्मीद है कि आज नहीं तो कल इसी मसाज पार्लर के कारण मुझे पार्टी के आलाकमान बड़ा पद देंगे,

एक पार्लर संचालिका के अनुसार शशिकांत सर्जेराव काकडे ने नवी मुंबई शहर के अंतर्गत चलने वाले सभी मसाज पार्लर वालो को लेकर एक संस्था बनाने की कोशिश की। उस संस्था में खुद शशिकांत सर्जेराव काकडे अध्यक्ष, उपाध्यक्ष मसाज माफिया मंगेश संजय बान्दुलकर उर्फ़ मोंटी, जो अभी तलोजा जेल में पीटा कानून के तहत बंद है और जिसका मामला न्यायालय के विचाराधीन है और महासचिव - चेंबूर. घाटला विलेज निवासी रोहिणी सोनावणे पाटील, जिन पर कई बार देह व्यापार के मामले में कानूनी कार्रवाई हुई है, सचिव महेश नायर इन चारों ने मिलकर इस संस्था की शुरूवात की और सभी पार्लर वालो को इस संस्था में सभासद बनाने की पूरी योजना तैयार की। इसके लिए शशिकांत सर्जेराव काकडे के दूसरे गुरु महाशय जिनका नेरूल में स्पा के नाम के आड़ में देह व्यापार चल रहा है, उनके मार्गदर्शन पर सभी मसाज पार्लर वालों की मीटिंग मैक-डोनाल्ड में ली गई।

फिर दूसरी मीटिंग सी.बी.डी. बेलापुर के सेक्टर १५ के सरोवर विहार के नजदीक जॉगिंग ट्रैक (जहाँ पर लोग सुबह और शाम अच्छी सेहत के लिए जॉगिंग और वॉक करने आते हैं।) इन दोनों मीटिंग में नेरूल के गुरुवर्य के मार्गदर्शन में अध्यक्ष महोदय और उनके स्वयंघोषित पदाधिकारियों कुछ प्रस्ताव पारित किए वह इस प्रकार है।

१) सभी मसाज पार्लर वाले एकजुट रहेंगे।

२) सभी मसाज पार्लर में काउंटर चार्ज एक जैसा रहेगा।

३) कोई भी मसाज पार्लर मालिक पुलिस को ज्यादा रकम नहीं देगा।

४) पुलिस थाने को हर माह १०,००० /- समाजसेवा शाखा को १५,०००/- और एडिशनल कमिश्नर को ३५,०००/- रुपया हर माह देना पड़ेगा। पहले एडिशनल कमिश्नर ३५,०००/- रुपये नहीं लेते थे, लेकिन नए एडिशनल कमिश्नर आने के बाद ३५,०००/-रुपये हर माह देने पड़ेंगे। अगर ये ३५,०००/- रुपये हर माह देंगे तो पुलिस की तरफ से कोई भी कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। और जिसने पैसा देने में आनाकानी की तो एडिश्नल कमिश्नर उस पर कार्रवाई करेंगे।

५) पुलिस थाने में और समाजसेवा शाखा में जो ज्यादा रकम दी जा रही है, उसे हम कम कराएंगे और जो मीटिंग में तय की गई रकम है, वही देनी है। बाकी हम संभाल लेंगे।

पहले तो देह व्यापार करने वाले पार्लर मालिकों ने इनकी बातों पर यकीन किया लेकिन इनकी हर दिन की पुरानी घिसीपीटी टेपरिकार्डर की तरह नई-नई योजना सुनकर परेशान होकर कई लोगों ने खुद इनकी इस स्वयं घोषित संस्था से बाहर निकल गये। लेकिन कुछ लोग आज भी इस स्वयंघोषित संस्था की परंपरा को सभाले हुए है। इन्ही सब बातों से चर्चा में रहे।

अपना नाम न छापने की शर्त पर एक मसाज पार्लर मालिक ने बताया कि इसी वजह से शशिकांत सर्जेराव काकडे पर नवी मुंबई के अप्पर पुलिस आयुक्त (गुन्हे) से एक नई जिम्मेदारी दी गई है, वह जिम्मेदारी यह है कि नए अप्पर पुलिस आयुक्त (गुन्हे) श्री बी,जी,शेखर पाटिल साहब के लिए शशिकांत सर्जेराव काकडे को प्रति पार्लर वालो से प्रति माह ३५,०००/- रूपये जमा करेंगे।

इस विषय मे यही बात बार-बार मसाज पार्लर मालिकों से दोहराई जा रही है कि अप्पर पुलिस आयुक्त श्री बी,डी,शेखर पाटिल साहब को हर माह हर पार्लर से ३५,०००/- रूपये देने पड़ेगे और साहब ने यह जिम्मेदारी मुझे इसलिए दी है क्योंकि मैं राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी का एक जिम्मेदार पदाधिकारी हूं। और इस काम के लिए शशिकांत सर्जेराव काकडे के पहले गुरु तलोजा जेल में बंद होने की वजह से दूसरे गुरू उनको लेकर मसाज पार्लर में जाते हैं और शशिकांत सर्जेराव काकडे के हाथ में ३५,०००/- रुपये देने की सिफारिश करते हैं और नहीं मानने पर कानूनी कार्रवाई करने का दबाव बनाते हैं।

शशिकांत सर्जेराव काकडे के करीबी लोगो का कहेना है की राजनेताओं के साथ-साथ पुलिस विभाग के कई पुलिस अधिकारियो का सहयोग शशिकांत सर्जेराव काकडे को है। उनके दूसरे गुरु ने शशिकांत सर्जेराव काकडे को पता नहीं कौन सा भारतीय दंड संहिता या फौजदारी प्रक्रिया क़ोड (सी.आर.पी.सी.) का ज्ञान दिया है, कि शशिकांत सर्जेराव काकडे खुद अपने आप को एक बैरिस्टर से कम नही समझते, उस गुरु का बताया हुआ कानून यह है कि कोई भी यदि कुछ कहे तो उसे मानहानि का नोटिस भेज दो।

जानकार बताते हैं कि एक दिन नवी मुंबई महानगर पालिका विभाग के एक कर्मचारी के हाथों कुछ कचरा शशिकांत सर्जेराव काकडे के कपडे पर लग गया, उस पर भी गुस्से से उस कर्मचारी को दस हजार रूपये का एक वकील में माध्यम से मानहानि का नोटिस भेज दिया। इसी तरह से इनकी रोज की आदत हो गई है कि हर बार किसी ना किसी को किसी भी बात पर नोटिस भेजना। इसी तरह से हमारे पिछले अंक क्र १ और २ में के मुख्य पान पर शशिकांत सर्जेराव काकडे और उनके पहले गुरु मंगेश संजय बांदुलकर उर्फ मोंटी की सारी हकीकत प्रकाशित किये जाने से अपने आप को लोगो के सामने बेकसूर बताते हुये '**महाराष्ट्र क्राईम्स**' के संपादक को पाच करोड़ रूपये का मानहानि का वकील के माध्यम से एक नोटिस भेजा है। '**महाराष्ट्र क्राईम्स**' द्वारा नोटिस का जवाब दिए जाने के बाद से शशिकांत सर्जेराव काकडे बौखलाए हुए हैं और वह दिन भर में शराब के नशे में धुत्त रहकर कुछ मसाज पार्लर मालिकों के पास जाकर '**महाराष्ट्र क्राईम्स**' के संपादक और इन मसाज पार्लर की आड़ में देह व्यापार करने वाले समाज कंटकों के खिलाफ मुहिम चलाने वाले जनसेवा मार्गदर्शन ऑर्गनायजेशन के राष्ट्रीय महासचिव के खिलाफ कुछ नया षडयंत्र रचने के बारे में साम-दाम-दंड-भेद का प्रयोग करके किसी भी तरह से दबाव में लाने की कोशिश कर रहा है। ऐसा कई पार्लर वालों ने अपना नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर कहा है।

हम अपने इस समाचार पत्र '**महाराष्ट्र क्राईम्स**' के माध्यम से नवी मुंबई के अप्पर पुलिस आयुक्त श्री बी,डी,शेखर पाटिल से यह अपील करते हैं कि वह खुद इस विषय में ध्यान दें और हमसे जवाब तलब करें, ताकि हम हमारे पास इस विषय में जो वीडियो रिकॉर्डिंग सबूत के तौर पर है, वह हम उन्हें पेश करें और इस गंभीर विषय पर अवगत कराएं, कि उनके नाम का किस तरह से गैर फायदा लिया जा रहा है और उनकी खाकी वर्दी पर दाग लग रहा है।

हम जानना चाहते कि क्या आपने शशिकांत सर्जेराव काकडे को हर पार्लर वालो से हर माह ३५,०००/- आपके हिस्से के वसूलने को कहा है? क्या आपने फिर शशिकांत सर्जेराव काकडे आपके नाम का गैर फायदा उठाकर अपनी जेब भर रहा है? यदि आपने ऐसा कहा है तो क्या सरकार ने आपको वेतन देने से मना किया है? या आपका वेतन आप खुद वसूल करो ऐसा कुछ आदेश दिया है? यदि नहीं कहा है तो आप खुद इस विषय में संज्ञान लेते हुए शशिकांत सर्जेराव काकडे पर क़ानूनी करवाई करें और शशिकांत सर्जेराव काकडे के उन दोनों स्पा पर भी क़ानूनी करवाई करके बंद कराएं।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक,मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स,४९६,पंचशील नगर-१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं-३, तिलक नगर, चेम्बुर,मुंबई-४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू),मुंबई-४०००८३ से प्रकाशित किया ।

संपादक- सिराज चौधरी मो. ९७७३६२२९६७

CMYK